वर्षः 11 - अंक : 143, मुंबई, बुधवार, 21 जुलाई, 2021 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

अब हर सच होगा उजागर

सूचना

ईद-उल-अजहा के अवसर पर 21 जुलाई 2021 को हमारा कार्यालय बंद रहेगा। इस कारण दै. मुंबई हलचल का अगला संस्करण 23 जुलाई 2021 को प्रकाशित होगा। आप सभी को ईद-उल-अजहा की बहुत-बहुत मुबारकबाद

-संपादक

प्राइमरी स्कूल खोलने की सलाह

तीसरी लहर से बच्चे सुरक्षित, 6 से 17 साल के बच्चे संक्रमण से खुद लड़ सकते हैं, आईसीएमआर के सर्वे में आधे से ज्यादा बच्चों में मिली एंटीबॉडी

संवाददाता

नई दिल्ली। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) ने मंगलवार को 21 राज्यों के 70 जिलों में जून-जुलाई महीने में किए गए चौथे सीरो-सर्वे की रिपोर्ट जारी की। रिपोर्ट के मुताबिक देश की 67% आबादी में एंटीबॉडी डेवलप हुई है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

पोर्न फिल्मों का 'राज'...कुंद्रा गिरफ्तार

23 जुलाई तक हिरासत में...

मॉडल्स को एनर्जी ड्रिंक पिलाकर की जाती थी शूटिंग

21 साल की एक मॉडल ने पुलिस को जानकारी दी थी कि उसे एनर्जी ड्रिंक पिलाई गई थी। बाद में उसके अश्लील फोटो और वीडियो शूट किए गए। इस जानकारी के बाद पुलिस ने मड आइलैंड के बंगले पर छापा मारा था। जहां से इस पोर्न रैकेट का भंडाफोड़ हुआ। अभियुक्तों से पूछताछ में राज कुंद्रा का नाम सामने आया था। कुछ मॉडल्स ने बताया था कि उन्हें राज कुंद्रा की कंपनी का काम है, यह बता कर ही संपर्क किया गया था।

संवाददाता

मुंबई। पोर्न वीडियो केस में एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा शामिल हैं, यह बात पुलिस को पांच महीने पहले ही पता लग चुकी थी, लेकिन पुलिस ने पहले राज के खिलाफ ठोस सबूत जुटाने का काम किया था। इस दौरान राज का नाम बार-बार आता रहा, लेकिन पुलिस ने कोई जल्दबाजी नहीं की। (शेष पृष्ठ 3 पर)

शिल्पा शेट्टी की भी हो रही जांच, सीज हुए हैं 7.5 करोड़ रुपये

शिल्पा शेट्टी, राज कुंद्रा की लगभग सभी कंपनियों में हिस्सेदार थीं। पुलिस अब इस मामले की जांच में जुटी है कि क्या शिल्पा शेट्टी को इस बारे में कुछ पता था? क्या वह भी इसमें भागीदार हैं? संभावना जताई जा रही है कि इस मामले में पूछताछ के लिए पुलिस जल्द ही शिल्पा शेट्टी को समन भेज सकती है।

राज कुंद्रा का विवादों से पुराना नाताः सट्टेबाजी से लेकर मॉडल को परेशान करने तक के लगे थे आरोप, 3 साल में टूट गई थी पहली शादी

लंदन में कंपनियां, ऐसे चल रहा था पूरा काम

उन्होंने आगे बताया कि राज कुंद्रा की दो कंपनी लंदन में हैं, लेकिन पूरा का पूरा काम राज कुंद्रा के मुंबई स्थित ऑफिस से ही चलाया जाता रहा है। इसीलिए राज कुंद्रा के आईटी हेड रायन थॉर्प को अरेस्ट किया गया है। मिलिंद भराबे ने आगे कहा, 'इनकी मोड्स ओपरेंडी ऐसी थी कि वह नए नए मॉडल और महिलाओं को वेब सीरीज और फिल्म में काम दिलवाने के नाम पर बुलाते थे और फिर शूटिंग के दौरान वह पॉर्न वीडियो बनाने लगते थे। इसमें अब तक 9 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। छापेमारी के दौरान काफी इलेक्ट्रॉनिक सामान भी बरामद किया गया है।'

पूनम पांडे ने भी किया था राज पर केस

विवादित मॉडल पूनम पांडे ने राज कुंद्रा और उनके सहयोगी के खिलाफ क्रिमिनल केस किया था। पूनम पांडे का आरोप था कि देश और बाहर से बार-बार आ रहे कॉल से वह परेशान हो गई हैं। उन्होंने कहा था कि जून 2020 में एक टैगलाइन (कॉल मी, आई स्ट्रिप फॉर यू) एक ऐप पर लीक हो गई थी। उनका दावा है कि इस ऐप को राज कुंद्रा की कंपनी ही संचालित कर रही थी।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

फिर हंगामे की ओर

मानसून सत्र के पहले ही दिन संकेत मिल गए कि आने वाले दिनों में सियासत पर देश का समय और संसाधन कुछ ज्यादा खर्च होने वाला है। चर्चा संसद में प्रस्तावित होने वाले विधेयकों की नहीं, बल्कि अन्य विषयों की ज्यादा हो रही थी, तो यह लगभग परंपरा सी हो गई है। पहले ही दिन हंगामे से बहुत आशा नहीं जगती है। ऐसा कम ही होता है, जब प्रधानमंत्री को नए मंत्रियों का परिचय देने से रोका जाता है। यह व्यावहारिकता रही है, जिसे निभाने में किसी को आपत्ति नहीं होनी चाहिए। आखिर जिन सांसदों ने नए मंत्रियों से होने वाले औपचारिक परिचय को रोका है, वे भी किसी न किसी काम से उस मंत्री से कभी न कभी संपर्क तो करेंगे या कहीं मिलेंगे? बहरहाल, अपनी सफाई में विपक्षी नेताओं ने गिना दिया कि मंत्रियों का परिचय कराने से डॉक्टर मनमोहन सिंह को भी दो बार रोका गया था। सियासत का यही दुखद पहलू है, किसी गलत परंपरा को भी हमेशा के लिए मिसाल बना लिया जाता है और उसके अनुरूप ही सियासी दल कदम उठाने लगते हैं। किसी गलत या विवादित विरोध की लकीर पीटते रहने के बजाय अच्छाई-बुराई का भेद बनाए रखने के प्रति हमारी राजनीति को ज्यादा सचेत रहना चाहिए। यह समग्रता में विचार का विषय है कि संसद का मानसून सत्र कैसे सबके लिए फलदायी हो सकता है। खतरा बड़ा है कि संसद राजनीति की जगह बनकर ही न रह जाए। इस जगह पर लोग अपने प्रतिनिधियों को बड़ी उम्मीद से भेजते हैं। संसद को सही ढंग से चलने देना चाहिए, बार-बार स्थगन लाने की कोशिश, बार-बार हंगामा, संसदीय गरिमा की अवहेलना क्या संसद की प्रासंगिकता को घटा नहीं रही है? महंगाई, कोरोना महामारी, टीकाकरण इत्यादि अनेक व्यापक मुद्दे हैं, जिन पर संसद में गंभीर बहस हो सकती है। हर मुद्दे को उठाने का समय मिल-जुलकर तय हो सकता है, लेकिन असमय मुद्दे उठाकर हंगामा करना किसके लिए फायदेमंद है, यह सोच लेना चाहिए। अपना देश अभी चौतरफा चुनौतियों से घिरा है, हम बेवजह सियायत की कीमत चुकाने की स्थिति में कतई नहीं हैं। पेट्रोल, डीजल की कीमतें बहुत बढ़ी हैं, लेकिन मंत्रियों के परिचय के समय ही विपक्ष द्वारा यह मुद्दा उठाना क्या अनुकरणीय है? ऐसा भी नहीं है कि आए दिन मंत्रिमंडल में फेरबदल हो रहा हो? यह दौर ऐसा है, जब हमारे प्रतिनिधियों को सावधान रहना चाहिए। संसद सत्र के समय खासतौर पर कुछ ऐसे मुद्दे उड़ाए या उठाए जाते हैं, जिनसे संसद व देश के कामकाज व चिंतन की दिशा भटकती है। ताजा मामला इजरायली जासूसी सॉफ्टवेयर पेगासस पर खुलासे का है। सरकार की सफाई के बावजूद यदि विपक्ष को इसमें सार दिखता है, तो इस विषय पर अलग से चर्चा संभव है, इसके लिए संसदीय परंपरा के अनुरूप प्रयास करने चाहिए, लेकिन पूरे सत्र को इस मुद्दे के हवाले कर देना प्रशंसनीय नहीं है। आज के समय में आधुनिक संचार माध्यमों की मदद से जासूसी या सूचनाओं की चोरी कोई बहुत मुश्किल काम नहीं है, लेकिन इसे लेकर जरूरत से भटकाव कतई ठीक नहीं है। यह सत्र निर्णायक मोड़ की तरह है, जब सांसदों को न केवल स्वयं कोरोना संक्रमण से बचना है, देश को भी इस भयानक संक्रमण के चौतरफा दुष्प्रभाव से बचाने में समय-साधन से अपना पूरा योगदान देना है।

न्यायपालिका कब तक राह दिखाएगी?

न्यायपालिका का काम रास्ता दिखाने का है लेकिन तभी जब सरकारें रास्ता भटकती हैं। सवाल है कि सरकारें कितना रास्ता भटकेंगी और कितनी बार उनको रास्ते पर लाने का काम न्यायपालिका को करना होगा? और सोचें, कभी न्यायपालिका ने रास्ता दिखाना बंद कर दिया फिर क्या होगा? पिछले कई बरसों तक ऐसा होता रहा कि देश की न्यायपालिका सरकारी मार्ग को ही उचित मार्ग मानती रही थी। वह तो अच्छा है, जो अब न्यायपालिका ने सरकारी मार्ग को मुख्य और उचित मार्ग मानना बंद या कम कर दिया है। यह सुखद है कि देश की अदालतों ने सरकार के हर कदम का समर्थन करने की बजाय लोगों के हितों को प्राथमिकता देते हुए सरकारों को निर्देश देना शुरू किया है। इससे केंद्र और राज्यों की सरकारों को सबक लेना चाहिए और अपनी जिम्मेदारी समझनी चाहिए।

यह कितनी बुनियादी बात है कि कोरोना वायरस की महामारी के दौरान कांवड़ यात्रा नहीं होनी चाहिए लेकिन हैरानी की बात है कि उत्तर प्रदेश सरकार को इतनी सी बात समझ में नहीं आई। उसने कांवड़ यात्रा शुरू कराने का फैसला कर लिया। कुंभ मेले के आयोजन से मिले सबक की वजह से उत्तराखंड सरकार को सद्बुद्धि आ गई थी और उसने यात्रा रद्द कर दी थी। इसके बावजूद उत्तर प्रदेश सरकार ने यात्रा के आयोजन का फैसला किया। जाहिर उसने अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव को प्राथमिकता मानते हुए अपने राजनीतिक फायदे की चिंता में इस धार्मिक यात्रा के आयोजन का फैसला किया था। हैरानी की बात यह भी है कि प्रधानमंत्री पर्यटन स्थलों पर जुट रही भीड़ से चिंतित हैं लेकिन आपदा के समय प्रबंधन का काम देख रहे केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कांवड़ यात्रा निकालने के उत्तर प्रदेश सरकार के फैसले पर चुप्पी साधे रखी। बात बात में केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से राज्यों को कोरोना से जुड़े दिशा-निर्देश भेजे जा रहे हैं लेकिन कांवड़ यात्रा पर उत्तर प्रदेश सरकार को निर्देश नहीं भेजा गया। वह तो भला हो सुप्रीम

कोर्ट का, जिसने स्वतः संज्ञान लिया और उत्तर प्रदेश सरकार को मजबूर किया कि वह राजनीतिक लाभ-हानि की बजाय लोगों की जान की चिंता करे। अदालत की सख्ती के बाद यात्रा स्थगित हुई। काश देश की न्यायपालिका ने पिछले साल इस तरह स्वतः संज्ञान लेकर आदेश दिए होते तो न जाने कितनी जानें बच जातीं! हो सकता है कि लाखों मजदूरों को भेड़-बकरियों की तरह पैदल चल कर घर नहीं जाना पड़ा होता! हो सकता है कि पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव और कई राज्यों में पंचायत चुनाव नहीं हुए होते और हजारों-लाखों लोगों की जान बच जाती! जाहिर है चुनाव हो या कांवड़ यात्रा, सरकारों की प्राथमिकता पहले भी आम आदमी नहीं था और अब भी नहीं है। अब न्यायपालिका ने राह दिखाई है तो उम्मीद करनी चाहिए कि सरकारें इसी रास्ते पर चलती रहें!

निःशुल्क और सार्वभौमिक टीकाकरण का रास्ता भी देश की सर्वोच्च न्यायपालिका ने ही दिखाया है। अन्यथा सरकार ने तो लोगों को उनके हाल पर छोड़ ही दिया था। केंद्र सरकार ने वैक्सीनेशन की नीति बदल कर राज्यों को खुद से वैक्सीन खरीदने के लिए मजबूर किया था। साथ ही लोगों को इस बात के लिए मजबूर किया था कि वे महंगी कीमत चुका कर निजी अस्पतालों में वैक्सीन लगवाएं। महामारी के बीच केंद्र सरकार की इस नीति को असंवैधानिक और संविधान प्रदत्त बराबरी के अधिकार का उल्लंघन बताते हुए सर्वोच्च अदालत ने सवाल उठाए तब जाकर केंद्र सरकार ने नीति बदली और खुद वैक्सीन खरीद कर सभी राज्यों को उपलब्ध कराने की घोषणा की। उसके बाद से ही वैक्सीनेशन की रफ्तार तेज हुई और माना जा रहा है कि उसी की वजह से कोरोना की लहर की रफ्तार कम हुई है। कोरोना से मरे लाखों लोगों के मुआवजे के मामले में भी केंद्र और राज्य सरकारों का रुख यह था कि मुआवजा नहीं दे सकते। सरकारों का रवैया यह था कि पैसा है लेकिन देंगे नहीं। अदालत में हलफनामा देकर बताया गया कि अगर कोरोना से मरने वालों को मुआवजा दिया गया तो दूसरी बीमारियों से मरने वाले भी इसकी मांग कर सकते हैं। सरकारों के सारे तर्क को दरकिनार करते हुए सर्वोच्च अदालत ने आदेश दिया कि मुआवजा दिया जाना चाहिए। उसने कहा कि मुआवजा कितना हो और कैसे दिया जाए, इसकी नीति सरकार बनाए। कोरोना से मौतों की संख्या नहीं छिपाने का आदेश भी अदालतों को देना पड़ा। उसी का नतीजा है कि बिहार से लेकर दूसरे कई राज्यों में मौत के आंकड़े एडजस्ट किए गए और अभी तक किए जा रहे हैं। उससे भी पहले जब कोरोना वायरस की दूसरी लहर शुरू हुई और देश में ऑक्सीजन के लिए हाहाकार मचा तब भी अदालतें ही आगे आईं। दिल्ली से लेकर मद्रास और बांबे से लेकर गुजरात हाई कोर्ट तक ने राज्य सरकारों को फटकार लगाई। ऑक्सीजन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। राज्यों के लिए ऑक्सीजन की मात्रा तय कराने का काम किया। केंद्र और राज्यों या कई राज्यों के बीच आपस में तालमेल बनवाने से लेकर ऑक्सीजन की आपूर्ति सुनिश्चित कराने का काम अदालतों ने किया। ऐसा लग रहा था कि सरकार को लकवा मारा हुआ है और कोरोना से लड़ने का पूरा अभियान अदालतें संभाल रही हैं। अंग्रेजों के जमाने में बने राजद्रोह के कानून को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने दो बार सवाल उठाए हैं। पहले जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने राजद्रोह कानून की समीक्षा की जरूरत बताई थी और अब चीफ जस्टिस एनवी रमन्ना ने इसकी जरूरत पर ही सवाल उठाया है।

यह अजीब-सी जासूसी है

यह अजीब-सी जासूसपेगासस जासूसी कांड निश्चय ही तूल पकड़ रहा है। संसद के दोनों सदनों में दूसरे दिन भी इसे लेकर काफी हंगामा हुआ है। विपक्षी नेता मांग कर रहे हैं कि या तो कोई संयुक्त संसदीय समिति इसकी जांच करे या सर्वोच्च न्यायालय का कोई न्यायाधीश करे। सर्वोच्च न्यायालय का न्यायाधीश जांच तो करे लेकिन जो रहस्योद्घाटन हुआ है, उससे पता चला है कि सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश रंजन गोगोई का नाम भी इस कांड में शामिल है। जिस महिला ने यौन-उत्पीड़न का आरोप उन पर लगाया था, उस महिला और उसके पति के फोनों को भी पेगासस की मदद से टेप किया जाता था। यदि यह घटना-क्रम प्रमाणित हो गया तो भारत सरकार की बड़ी भद पिटेगी। यह माना जाएगा कि गोगोई को बचाने में या उनके कुछ फैसलों का एहसान चुकाने के लिए सरकार ने उनकी करतूत पर पर्दा डालने की कोशिश की थी। इसके अलावा सूचना तकनीक के नए मंत्री अश्विनी वैष्णव का नाम उस सूची में होना इस सरकार के लिए बड़ा धक्का है। आप जिस पर जासूसी कर रहे थे, उसे ही आपने मंत्री बना दिया है

और वही व्यक्ति अब उस जासूसी पर पर्दा डालने की कोशिश कर रहा है। यह अजीब-सी जासूसी है। उसने या किसी अन्य मंत्री या प्रधानमंत्री ने अभी तक इस बारे में एक शब्द भी नहीं कहा है कि पेगासस का जासूसी यंत्र भारत सरकार ने खरीदा है या नहीं? लगभग 500 करोड़ रु. का यह जासूसी तंत्र सरकार ने खरीदा हो तो वह साफ-साफ यह कहती क्यों नहीं? वह यह भी बताए कि पेगासस का इस्तेमाल उसने किन-किन लोगों के विरुद्ध किया है? उनके नाम न ले किंतु संकेत तो करे। वह यदि आतंकवादियों, दंगाप्रेमियों, तस्करों और विदेशी जासूसों के विरुद्ध इस्तेमाल हुआ है तो उसने ठीक किया है लेकिन यदि वह पत्रकारों, नेताओं, जजों और उद्योगपतियों के खिलाफ इस्तेमाल किया गया है तो सरकार को उसका कारण बताना चाहिए। यदि ये लोग राष्ट्रविरोधी हरकतों में संलग्न थे तो इनके विरुद्ध जासूसी करना बिल्कुल गलत नहीं है लेकिन क्या 300 लोग, जिनमें भाजपा के मंत्रियों के नाम भी हैं, क्या वे ऐसे कामों में लिप्त थे? जो सरकार पत्रकारों पर जासूसी करती है, उसका आशय साफ है। वह उन सूत्रों को खत्म कराना या डराना चाहती है, जो पत्रकारों को खबर देते हैं ताकि लोकतंत्र के चौथे खंभे– खबरपालिका– को ढहा दिया जाए। यह ठीक है कि जासूसी किए बिना कोई सरकार चल ही नहीं सकती लेकिन जो जासूसी नागरिकों की निजता का उल्लंघन करती हो और जो सत्य को प्रकट होने से रोकती हो, वह अनैतिक तो है ही, वह गैर-कानूनी भी है। जायज जासूसी की प्रक्रिया भी तर्कसम्मत और प्रामाणिक हो तथा संकीर्ण स्वार्थपरक न हो, यह जरुरी हो।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सिटी हलचल

मुंबई, बुधवार
21 जुलाई, 2021

मुंबई में एक अगस्त से शुरू होगा डोर टू डोर वैक्सीनेशन, गंभीर मरीजों को मिलेगी प्राथमिकता

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार और बीएमसी ने मंगलवार को बॉम्बे हाई कोर्ट को बताया कि वे प्रायोगिक तौर पर एक अगस्त से शय्याग्रस्त और चलने-फिरने में अशक्त लोगों का टीकाकरण घर-घर जाकर करने की शुरूआत करेंगे। अदालत ने इस पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा, केंद्र सरकार ने इस समस्या के समाधान के लिए कदम नहीं उठाया। हालांकि, राज्य सरकार इस मुद्दे पर खड़ी हुई है और इस अंधेरी सुरंग के अंत को लेकर कुछ रोशनी दिखाई दे रही है। राज्य सरकार की ओर से पेश एडवोकेट जनरल आशुतोष कुंभकोणी ने मुख्य न्यायाधीश दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति जीएस कुलकर्णी की पीठ के समक्ष कहा कि शुरूआत में घर-घर जाकर टीका लगाने की योजना पुणे में शुरू करने की थी लेकिन मुंबई के लोगों की प्रतिक्रिया पर विचार करने पर इसमें बदलाव किया गया।

मुंबई में 3,505 गंभीर बीमार

कुंभकोणी ने अदालत को बताया कि मुंबई में 3,505 गंभीर बीमार (शय्याग्रस्त) या चलने-फिरने में अशक्त लोगों ने अपनी राय दी और बताया कि वे टीकाकरण केंद्रों तक पहुंचने में असमर्थ हैं। उन्होंने बताया कि इस संबंध में नीति की घोषणा

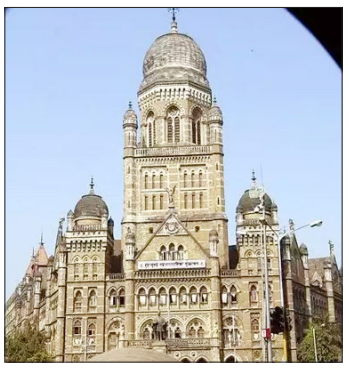

कर दी गई है और एक अगस्त से घर-घर जाकर टीकाकरण की शुरूआत होगी। उन्होंने बताया कि नीति के तहत पूरी तरह से शय्याग्रस्त, चलने-फिरने में अक्षम या असाध्य लोगों से ग्रस्त लोग घर में टीकाकरण के योग्य होंगे। अदालत ने कहा, हमें उम्मीद और भरोसा है कि राज्य सरकार और बीएमसी योग्य शय्याग्रस्त और चलने-फिरने में अक्षम लोगों का टीकाकरण करने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी ताकि उन्हें भी कोविड-19 टीके का लाभ मिल सके। अदालत ने कहा कि घर में टीकाकरण अभियान के तहत उन शय्याग्रस्त और चलने-फिरने में अक्षम लोगों को भी शामिल किया जाए, जिन्हें किसी तरह कोविड-19 टीके की पहली खुराक ले ली है। कुंभकोणी ने कहा कि वे उन लोगों को भी शामिल करेंगे और टीका मुफ्त होगा क्योंकि इस अभियान का संचालन सभी सरकारी और नगर निकाय के अस्पताल कर रहे हैं। अदालत दो वकीलों की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। जिन्होंने 75 वर्ष से अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगों और शय्याग्रस्त लोगों का टीकाकरण घर-घर जाकर करने के लिए केंद्र और राज्य सरकार को निर्देश देने का अनुरोध किया था, क्योंकि वे टीकाकरण केंद्रों तक नहीं पहुंच पा रहे हैं।

मुंबई में वकील पर तलवार से हमला! तीन आरोपी गिरफ्तार

मुंबई। एक वकील पर तलवार से हमला करने के मामले में तीन लोगों को मुंबई पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मुंबई में अपराधियों के हौसले इतने ज्यादा बढ़ गए हैं कि अब वे खुलेआम दिनदहाड़े तलवार से हमला कर रहे हैं। मामला बोरिवली में एक वकील के साथ हुई तलवार से मारपीट का है। यह पूरी वारदात मोबाइल कैमरा में कैद हुई थी। तस्वीरों को देखकर आप सोचने पर मजबूर हो जाएंगे कि आखिर शहर में पुलिस है भी या नहीं। घटना के बाद पुलिस ने इस मामले में बोरीवली के एमएचबी पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 307, 326,324, 504 और 506 के तहत की एफआईआर दर्ज की। तलवार के वॉर से घायल वकील का नाम सत्यदेव जोशी है। मामला जमीन से जुड़े का विवाद का बताया जा रहा है।

मुंब्रा में बेटे ने की मां की हत्या, गिरफ्तार

संवाददाता

मुंबई। मुंब्रा के रेती बंदर इलाके में एक बेटे ने अपने ही मां को पैसे देने से मना करने पर स्क्रू ड्रायवर से उस पर हमला कर उसकी हत्या कर दी। इस मामले में हत्यारे बेटे को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मुंब्रा का यह है वही रेतीबंदर परिसर है जहां आरोपी विशाल एल्जेण्ड अपनी माँ के साथ रहता था। वो बार बार अपने फिजूलखर्च के लिए अपनी मां उर्मिला एल्जेण्ड से हमेशा पैसे मांगा करता था। कभी कभी इन दोनों में पैसे को लेकर झगड़े भी हुआ करते थे। इस बार भी दोनों में झगड़ा हुआ पर उर्मिला को यह अंदेशा नहीं था कि उसका बेटा मात्र कुछ पैसों के लिए उसकी हत्या कर देगा। इस बार गुस्से में विशाल ने स्क्रू ड्रायवर से हमला कर अपनी मां उर्मिला की हत्या कर दी। पोलिस ने हत्यारे बेटे विशाल को गिरफ्तार कर लिया है।

(पृष्ठ 1 का शेष)

पोर्न फिल्मों का 'राज'...कुंद्रा गिरफ्तार

सोमवार को गिरफ्तार हुए राज को कोर्ट ने 23 जुलाई तक हिरासत में भेजा है। पुलिस उनसे इस केस में पैसों की लेनदेन के बारे में ज्यादा पूछताछ कर सकती है। पुलिस के पास पहले से ही राज और दूसरे लोगों के बीच बातचीत के रिकॉर्ड्स हैं, मगर पुलिस राज से ही इस बारे में बयान लेना चाहती है। मालवानी पुलिस स्टेशन के ऑन ड्यूटी इंचार्ज सीनियर सब-इंस्पेक्टर संदीप गायड़े ने बताया कि फरवरी में क्राइम ब्रांच को एक क्लू मिला था। इसके आधार पर ही बंगले पर रेड हुई। तब गिरफ्तार लोगों में से कुछ ने दावा किया था कि वो राज कुंद्रा के लिए काम कर रहे हैं। उस वक्त इस बयान के अलावा कोई सबूत नहीं था। पुलिस ने राज कुंद्रा जैसे सेलिब्रिटी बिजनेसमैन को सिर्फ इस आधार पर गिरफ्तार करना ठीक नहीं समझा। उस वक्त जो भी कार्रवाई हुई, उसमें राज का नाम शामिल नहीं किया गया था। कुछ मॉडल ने मीडिया में यह स्टेटमेंट दे दिया था कि इस केस में राज कुंद्रा शामिल हैं। फिर भी पुलिस अपने तरीके से काम करती रही। उसी समय एंटीलिया केस का भंडाफोड़ हुआ। जिसमें सचिन वझे का नाम बाहर आया। इस केस के चलते आगे मुंबई के पुलिस कमिश्नर से लेकर कई सारे अफसरों के तबादले हुए। इस सब से पोर्न केस की छानबीन पर असर पड़ा। तब पुलिस ने 9 अभियुक्तों के खिलाफ 500 पेज की चार्जशीट फाइल कर दी थी। बाद में राज कुंद्रा के खिलाफ पुख्ता सबूत मिलने के बाद उन्हें क्राइम ब्रांच में पूछताछ के लिए बुलाया गया और गिरफ्तार कर लिया गया। मुंबई पुलिस के क्राइम ब्रांच के सूत्रों ने बताया कि पोर्न वीडियो केस में अभी तो सिर्फ शुरूआत हुई है। राज कुंद्रा जैसे और लोगों (दूसरी कंपनियां के) पर भी इस कारोबार में शामिल होने का शक है। पोर्न वीडियो बनाकर एक से ज्यादा मोबाइल ऐप कंपनियों को बेचे जाते थे। इसमें पैसों का भारी लेनदेन हुआ है। अब मनी ट्रेल ढूंढ़ने की कोशिश होगी। इसके चलते और नामों का खुलासा होने की उम्मीद है।

प्राइमरी स्कूल खोलने की सलाह

यानी ये आबादी संक्रमित हो चुकी है और वायरस को बेअसर करने के लिए इन लोगों के शरीर में जरूरी एंटीबॉडी डेवलप हो चुकी है। अच्छी बात ये है कि इनमें बड़ी संख्या में बच्चे भी शामिल हैं। इसके साथ ही स्कूल खोले जाने के सवाल पर आईसीएमआर के डायरेक्टर जनरल डॉ. बलराम भार्गव ने कहा कि स्कूल खोले जा सकते हैं, क्योंकि छोटे बच्चों में एडल्ट की तुलना में संक्रमण का खतरा कम है। उन्होंने बताया कि यूरोप के कई देशों में कोरोना के बढ़ते मामलों के बावजूद भी स्कूल खोले गए हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि शुरूआती दौर में प्राइमरी स्कूल खोलने चाहिए, इसके बाद सेकेंड्री स्कूल खोले जा सकते हैं। डॉ. भार्गव ने बताया कि एडल्ट्स की तुलना में छोटे बच्चे वायरस को बहुत आसानी से हैंडल करते हैं। छोटे बच्चों के लंग्स में वे रिसेप्टर्स कम होते हैं, जहां वायरस अटैक करता है। इसके साथ ही उन्होंने सुझाव दिया कि अगर स्कूल खोले जाते हैं तो टीचर से लेकर सभी सपोर्ट स्टाफ पूरी तरह वैक्सीनेटेड होने चाहिए। साथ ही कोरोना के नियमों का पूरी तरह पालन होना चाहिए। हालांकि यह फैसला जिला और राज्य स्तर पर लिया जाएगा। यह कई फैक्टर पर निर्भर होगा। स्कूल से जुड़े सभी लोगों को वैक्सीन लगाना सुनिश्चत करना होगा, वहां टेस्ट पॉजिटिविटी रेट क्या है और पब्किल हेल्थ सिचुएशन क्या है, इसपर भी ध्यान देना होगा। डॉ. बलराम भार्गव ने सर्वे के नतीजे जारी करते हुए बताया कि देश की दो-तिहाई आबादी में कोविड एंटीबॉडी मिली है और अभी भी 40 करोड़ आबादी पर कोरोना का खतरा है। सर्वे में शामिल 6 से 17 साल के आधे से ज्यादा बच्चों में भी एंटीबॉडी पाई गई है। इसका मतलब हुआ कि दूसरी लहर में संक्रमण ने बच्चों को भी प्रभावित किया है। डॉ. भार्गव ने कहा, चौथे सीरो सर्वे में 6 से 17 साल के 28,975 लोगों को शामिल किया गया था। इनमें 6 से 9 साल के 2,892 बच्चे, 10 से 17 साल के 5,799 बच्चे और 18 साल से ऊपर के 20,284 लोग शामिल हैं। 18 साल से ऊपर वालों में से 62% लोगों ने वैक्सीन नहीं ली थी, जबकि 24% लोगों ने एक डोज और 14% लोगों ने दोनों डोज ली थी। भार्गव ने बताया कि 85% हेल्थ केयर वर्कर कोविड के शिकार हो चुके हैं। देश में कोरोना के मामले घटने और वैक्सीनेशन के बावजूद उन्होंने अब भी लोगों को कोविड एप्रोप्रिएट बिहेवियर को अपनाने को कहा है। गैर-जरूरी यात्रा करने से बचने की सलाह देते हुए उन्होंने कहा कि वही लोग यात्रा करें, जो वैक्सीन के दोनों डोज ले चुके हैं। सर्वे में शामिल 12,607 लोग ऐसे थे जिन्होंने वैक्सीन नहीं ली थी। 5,038 ऐसे थे, जिन्हें एक डोज लगी थी और 2,631 को दोनों डोज लग चुकी थी। सर्वे में दोनों डोज लेने वाले 89.8% में एंटीबॉडी पाई गई। वहीं, एक डोज लेने वाले 81% में एंटीबॉडी मिली। जबकि जिन्होंने वैक्सीन नहीं ली थी, ऐसे 62.3% लोगों में ही एंटीबॉडी मिली।

झीलों में बरसात, छंटे चिंता के बादल, बढ़ गया जल स्तर

मुंबई। पिछले 4 दिन की बारिश में मुंबई जहां बेहाल हो गई, वहीं पानी की आपूर्ति करने वाली सातों झीलों के जलस्तर में अच्छी वृद्धि हुई है। इससे पानी कटौती का संकट लगभग टल गया है। पिछले 7 दिन में झीलों के जलस्तर में 1,64,657 एमएलडी पानी की वृद्धि हुई है। अब झीलों में 4,15,175 एमएलडी स्टॉक है। बता दें कि 7 जुलाई को जलापूर्ति करने वाली झीलों में 2,50,518 एमएलडी पानी का स्टॉक था, जबकि 14 जुलाई को झीलों में पानी का जो स्टॉक था, वह पिछले 3 वर्ष में सबसे कम था। बीएमसी जलापूर्ति विभाग के चीफ इंजिनियर अजय राठौड़ ने कहा कि पिछले 3-4 दिन में झील क्षेत्रों में अच्छी बारिश हुई है। इससे जलस्तर में काफी बढ़ा है। पिछले हफ्ते झीलों के जलस्तर को देखकर चिंता बढ़ने लगी थी। जून में रिकॉर्ड बारिश दर्ज की गई, लेकिन झील क्षेत्रों में उम्मीद से कम बारिश हुई थी। इससे झीलों का जलस्तर अनुमान से कम हो गया था। जुलाई के पहले सप्ताह में भी वही स्थिति रही। अपर वैतरणा क्षेत्र में 19 जुलाई की सुबह 6 बजे तक 24 घंटे के भीतर 155 मिमी बारिश हुई। इस झील में पानी का स्टॉक कितना हुआ, यह जानकारी बीएमसी ने उपलब्ध नहीं कराई। मोडक सागर में इस दौरान 269 मिमी बारिश हुई, जिससे जलस्तर बढ़कर 66,092 एमएलडी हो गया। तानसा क्षेत्र में 293 एमएम बारिश दर्ज की गई। इससे झील में 78,467 एमएलडी पानी जमा हो गया। मध्य वैतरणा क्षेत्र में 306 मिमी बारिश हुई, इस तरह झील में 37,551 एमएलडी स्टॉक हो गया है।

सेना के अलावा किसी भी उद्देश्य के लिए रक्षा भूमि का इस्तेमाल करने की नीति प्रतिबंधित थी

250 साल बाद ब्रिटिश काल से चल रही रक्षा भूमि नीति में बदलाव करेगी सरकार

इस नीति में 2021 में बदलाव आया सरकार रक्षा भूमि सुधारों पर विचार कर रही है और एक छावनी विधेयक 2020 को अंतिम रूप देने की दिशा में भी काम कर रही है

अंग्रेजों द्वारा 1765 में बंगाल के बैरकपुर में पहली छावनी स्थापित की गई थी, ब्रिटिश काल में भारत में सेना के अलावा किसी भी उद्देश्य के लिए रक्षा भूमि का इस्तेमाल करने की नीति प्रतिबंधित थी, नरेंद्र मोदी सरकार ने रक्षा भूमि सुधार की दिशा में बड़ा कदम उठाते नए नियमों को मंजूरी दी है

संवाददाता / नई दिल्ली

नरेंद्र मोदी सरकार ने रक्षा भूमि सुधार की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए नए नियमों को मंजूरी दी है। इसके अंतर्गत सशस्त्र बलों से सार्वजनिक परियोजनाओं या अन्य गैर-सैन्य गतिविधियों के लिए खरीदी गई जमीन के बदले उनके लिए समान मूल्य के बुनियादी ढांचे (ईवीआई) के विकास की अनुमति दी जाएगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि क्योंकि अंग्रेजों द्वारा 1765 में बंगाल के बैरकपुर में पहली छावनी स्थापित की गई थी, इसलिए ब्रिटिश काल में भारत में सेना के अलावा किसी भी उद्देश्य के लिए रक्षा भूमि का इस्तेमाल करने की नीति प्रतिबंधित थी। बाद में अप्रैल 1801 में, ईस्ट इंडिया कंपनी के गवर्नर जनरल-इन-कार्उंसिल ने आदेश दिया, छावनी में स्थित कोई भी बंगला और क्वार्टर जो कि जो सेना से संबंधित नहीं है, को किसी भी व्यक्ति को बेचने या कब्जा करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। हालांकि इस नीति में 2021 में बदलाव आया क्योंकि सरकार रक्षा भूमि सुधारों पर विचार कर रही है और एक छावनी विधेयक 2020 को अंतिम रूप देने की दिशा में भी काम कर रही है, जिसका उद्देश्य छावनी क्षेत्रों में विकास पर जोर देना है। रक्षा मंत्रालय के अधिकारियों ने कहा कि प्रमुख सार्वजनिक परियोजनाओं जैसे मेट्रो, सड़क, रेलवे और फ्लाईओवर के निर्माण -के लिए जरूरत के मुताबिक रक्षा भूमि तभी दी जाएगी, जबकि उतनी ही कीमत की जमीन या फिर उसके बाजार मूल्य का भुगतान किया जाएगा। नए नियमों के तहत, आठ ईवीआई परियोजनाओं की पहचान की गई है, जिन्हें हासिल करने वाला पक्ष संबंधित सेवा के समन्वय से बुनियादी ढांचा प्रदान कर सकता है।

खास बातें

- ब्रिटिश काल में भारत में सेना के अलावा किसी भी उद्देश्य के लिए रक्षा भूमि का इस्तेमाल करने की नीति प्रतिबंधित थी
- बंगला और क्वार्टर जो सेना से संबंधित नहीं है, को किसी को बेचने या कब्जा अनुमति नहीं थी

जमीन का मूल्य सैन्य प्राधिकरण की अध्यक्षता वाली समिति तय करेगी

अन्य परियोजनाओं के अलावा निर्माण इकाइयों और सड़कें शामिल हैं। नए नियमों के मुताबिक छावनी क्षेत्रों के तहत आने वाली जमीन का मूल्य स्थानीय सैन्य प्राधिकरण की अध्यक्षता वाली एक समिति द्वारा निर्धारित किया जाएगा, जबकि छावनी के बाहर की भूमि के लिए दर जिलाधिकारी तय करेंगे। वित्त मंत्रालय ने प्रस्तावित गैर-व्यपगत आधुनिकीकरण कोष के मद्देनजर राजस्व हासिल करने के लिए रक्षा भूमि के मुद्रीकरण को एकमात्र तरीका माना है। गैर-व्यपगत कोष से मतलब उस राशि से है जो किसी तय वित्तीय वर्ष में किसी निश्चित सरकारी परियोजना के लिए के आवंटित की जाती है। अधिकारियों ने कहा कि रक्षा आधुनिकीकरण कोष की स्थापना को लेकर एक ड्राफ्ट कैबिनेट नोट पर वर्तमान में अंतर-मंत्रालयी विचार-विमर्श हो रहा है और जल्द ही एक अंतिम निर्णय की उम्मीद है, जिसके बाद इसे केंद्रीय मंत्रिमंडल के समक्ष मंजूरी के लिए रखा जाएगा।

मांग की गई है डिपो का उपयोग विकास गतिविधियों के लिए किया जाए

रक्षा भूमि सुधार के संबंध में लेफ्टिनेंट जनरल एचएस पनाग (सेवानिवृत्त) ने कहा, चूंकि रक्षा भूमि पूरे देश में सबसे प्रमुख क्षेत्रों में है और सालों राजनेताओं एवं नागरिक अधिकारियों ने मांग की है कि उनका उपयोग विकास गतिविधियों के लिए किया जाए। अब ऐसा लगता है, यह हो रहा है। उदाहरण के लिए जीटी रोड के साथ दिल्ली से पेशावर तक कैंपिंग ग्राउंड और पुराने डिपो हैं जो अब उपयोग में नहीं हैं, जिन्हें द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान सैनिकों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाने के लिए ब्रिटिश भारतीय सेना द्वारा बनाया गया था। पनाग ने कहा, अगर सेना इसका इस्तेमाल नहीं कर रही है, तो आप जमीन का मुद्रीकरण कर सकते हैं और बशर्ते उन्हें वैकल्पिक जमीन दी जाए।

सुलह परिषद की राजदूत से मुलाकात

चेयरमैन ने कहा- अफगानिस्तान शांति प्रक्रिया में भारत का रोल

संवाददाता / नई दिल्ली

हाल ही में अमेरिका ने अफगानिस्तान से अपनी सेना वापस बुला ली थी। इसके बाद से वहां के कई इलाकों में तालिबान ने फिर से कब्जा कर लिया है। साथ ही अफगान सेना और तालिबान आतंकियों के बीच युद्ध जारी है। हालांकि शनिवार से कतर में एक शांति वार्ता शुरू हुई, इसमें तालिबान और अफगान सरकार के प्रतिनिधि मौजूद रहे। इस दौरान तालिबान ने अपने सीजफायर की शर्तें भी रखीं। दूसरी ओर अफगानिस्तान सुलह परिषद के चेयरमैन अब्दुल्ला अब्दुल्ला ने कतर में ही भारतीय राजदूत से मुलाकात की। मुलाकात की फोटो ट्विटर पर शेयर करते हुए अब्दुल्ला अब्दुल्ला ने लिखा कि दोहा वार्ता से हटकर कतर में भारतीय राजदूत दीपक मित्तल से मुलाकात की। इस दौरान हमारे बीच अफगानिस्तान में शांति प्रक्रिया और नवीनतम विकास के मुद्दे पर चर्चा हुई। शांति प्रक्रिया को आगे बढ़ाने में भारत की अहम भूमिका है।

तालिबान ने कहा सभी मुद्दे पर करेंगे बातचीत

तालिबान के प्रतिनिधियों ने दोहा में अफगान सरकार को अपना सीजफायर प्रस्ताव दिया। इसके साथ ही तालिबानी नेता मुल्ला हिबतुल्ला अखुंदजादा ने अपने ईद के संदेश में कहा कि वो भी अफगान संकट का राजनीतिक समाधान चाहते हैं। देश में एक इस्लामी व्यवस्था, शांति और सुरक्षा की स्थापना के लिए तालिबान किसी भी अवसर का फायदा उठाएगा। उन्होंने अफगान सरकार पर वार्ता में समय बर्बाद करने का आरोप लगाया। साथ ही कहा कि वो बातचीत के जरिए सभी मुद्दों को सुलझाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

चीन ने किया तालिबान का समर्थन

तालिबान को विश्व की दूसरी सबसे बड़ी शक्ति और अफगानिस्तान के पड़ोसी देश चीन का साथ मिल गया है। चीन ने साफ कर दिया है कि तालिबान से दुश्मनी करना चीन के राष्ट्रीय हक में नहीं है, लिहाजा वो तालिबान के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध कायम करेगा। चीन के सरकारी अखबार ने एक तरह से तालिबान को लेकर अपनी विदेश नीति का इजहार किया है, जिसमें चीन के राष्ट्रीय हितों का हवाला देते हुए तालिबान से दोस्ती करने की बात कही गई है। पाकिस्तान पहले से ही खुलेआम तालिबान की मदद कर रहा है।

इंटरनेशनल जीनियस आईकॉन अचीवर अवार्ड का कार्यक्रम बहुत धूमधाम से मनाया गया

मुंबई। इंटरनेशनल जीनियस आईकॉन अचीवर अवार्ड बहुत धूमधाम से मनाया गया। सेलिब्रिटी फिल्म दुनिया जिसकी दीवानी है गाने में वह कोई और नहीं पदम श्री अवार्ड विजेता डॉक्टर उदित नारायण साहब, और रजा मुराद फिल्म दुनिया के बेहतरीन विलन के रूप में काम करने वाले फिल्म एक्टर राजा मुराद साहब दोनों ही विशेष अतिथि के रूप में कार्यक्रम में प्रवेश किया। कार्यक्रम को चार चांद लगा दिया शुरूआत में कार्यक्रम की जन गण मन जय हे भारत का राष्ट्रगान सिकाई करण की शुरूआत हुई। कार्यक्रम में जितने भी फिल्म जगत की न्यू कमर एक्टर एंड एक्ट्रेस आए थे सभी को इंटरनेशनल जीनियस आईकॉन अचीवर्स अवार्ड सम्मान के साथ सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के सूत्र संचालन डॉ अनिल नायर ब्रांड एंबेसडर शुरूआत की सभी को डॉक्टरेट डिग्री देने का डॉक्टर की डिग्री में पहला नाम फिल्म जगत की लोकप्रिय गायक उदित नारायण साहब को डॉक्टरेट की डिग्री से सम्मानित किया गया। आज से डॉक्टर नाम हमारे लोकप्रिय सिंगर उदित नारायण साहब लगा सकते हैं। उसके बाद दूसरा नाम आता है राजा मुराद साहब का। अनिल साहब ने उनको भी डॉक्टरेट की डिग्री से सम्मानित किए। कार्यक्रम बहुत ही जोरों से चलता रहा आए हुए सभी मेहमान कोविड-19 रूल्स एंड रेगुलेशन को मदे नजर रखते हुए अपने कार्यक्रम को अंजाम दिया। और कार्यक्रम में अगर सेलिब्रिटी के बाद किसी का नाम आता है तो सेलिब्रिटी योगा ग्रैंड मास्टर योग गुरु राधेश्याम जी है जिनकी वजह से कार्यक्रम को जो दिशा मिली वह दिशा देखने लायक थी कार्यक्रम को जिस तरीके से योग गुरु राधेश्याम ने सजाया अपने बाउंसरओं को लेकर अपने स्काउट गाइड के बच्चों के साथ और कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। इतने डिसिप्लिन बाउंसर और इतनी डिसिप्लिन के साथ स्काउट गाइड के कार्य नियम के साथ स्काउट गाइड बच्चों ने करके दिखाया, और उसी के वजह से कार्यक्रम और रौनक बढ़ गई। कार्यक्रम में आए सभी सेलिब्रिटीओं की लिस्ट काफी लंबी है। इसलिए सभी का नाम में नहीं ले सकता, लेकिन कुछ लोग हैं जिनका मैं नाम ले लेता हूं कार्यक्रम को इनकी वजह से और लोकप्रियता कार्यक्रम को बनाने में मदद मिली। सर्वप्रथम लोकप्रिय गायक उदित नारायण साहब, उसके बाद राजा मुराद साहब फिल्मी एक्टर उसके बाद तारक मेहता का उल्टा चश्मा की एक अदाकारा, उसके बाद योगा गुरु राधेश्याम जो सभी के दिलों पर अपने फिजिकल फिटनेस के माध्यम से राज करते आ रहे हैं, योग गुरु राधेश्याम सभी एक्टर डायरेक्टर प्रड्यूसर सिंगर ग्रुप खास करके रूप कुमार राठौड़ सुनाली राठोड रीवा राठौड़ इन तीनों सितारे जो हैं पिछले 8 सालों से सिखाते चले आ रहे हैं। द ह्यूमन योगा फाउंडेशन के ब्रांड एंबेसडर हैं। इन्हीं की वजह से आज योग गुरु राधेश्याम को सभी फिल्मी सितारे जानते हैं, योग गुरु राधेश्याम को पॉपुलर बनाने के लिए श्री लोकप्रिय सेंगर रूप कुमार राठौड़ का सबसे बड़ा हाथ है। उसके बाद अगर कोई है पहचान देने वाला वह दिलशाद खान जो मुंबई हलचल के संपादक है उसके बाद सभी न्यूजपेपर वाले मेरे कार्यक्रम का न्यूज डालते रहते हैं सभी लोग योग गुरु राधेश्याम को प्यार करते हैं की वजह है, कि चाहे कोई भी कार्यक्रम हो योग गुरु राधेश्याम ने कह दिया कि इस कार्यक्रम में यह सेलिब्रिटी चाहिए तो आसानी से मिल जाता है। यही पापुलैरिटी रहती है, योग गुरु राधेश्याम का इसी के साथ कड़ी को आगे बढ़ाते हैं कार्यक्रम में बाउंसर के रूप में सबसे अच्छा काम अगर किया है। वह आकाश जयसवाल दूसरा नंबर पर आते हैं प्रथमेश, उसके बाद एनसीसी स्काउट गाइड के बच्चों को हैंडल करने की के लिए बहुत ही अच्छी तरीके से इन्होंने कार्यक्रम को संबोधित अपने एनसीसी के बच्चों के जरिए किया अपनी कमान अच्छे से लगाने में मदद मिली नाम है रीमा चौधरी। उसके बाद कार्यक्रम को रूपरेखा और सदाबहार लोगों से सभी लोगों से परिचित सभी लोगों के कार्यों को अंजाम देने के लिए डॉक्टरेट देने के लिए कार्यक्रम के सूत्र सूत्रधार मार्गदर्शक डॉक्टर अनिल नायक, जिन्होंने कार्यक्रम की रूपरेखा संभाली और कार्यक्रम समाप्ति में योग गुरु राधेश्याम में वंदे मातरम गीत को सभी लोगों को उठकर गाने के लिए कहा और कार्यक्रम की समाप्ति हो गई।

नौसेना मुंबई में अपने प्रतिष्ठानों के तीन किमी के दायरे में ड्रोन उड़ाने पर लगाई पाबंदी

संवाददाता

मुंबई। भारतीय नौसेना ने मुंबई में अपने प्रतिष्ठानों के तीन किलोमीटर के दायरे में कोई भी अधिकृत ड्रोन या मानवरहित विमान (यूएवी) उड़ाने पर मंगलवार को पाबंदी लगा दी। नौसेना ने एक बयान में कहा कि मुंबई में नौसेना प्रतिष्ठानों के तीन किमी के दायरे को 'उड़ान वर्जित क्षेत्र' निर्धारित किया गया है और उसे इस तरह के यूएवी को नष्ट करने का अधिकार है। नौसेना ने कहा, उड़ान परिचालन के कार्यक्रम से कम से कम एक हफ्ते पहले नागर विमान महानिदेशालय (डीजीसीए) की वेबसाइट से उसकी मंजूरी लेनी होगी और मंजूरी पत्र की प्रति यहां पश्चिमी नौसेना कमान को सौंपी जानी चाहिए। बयान में कहा गया है, नौसेना इन इलाकों में बगैर अनुमति के उड़ाये जाने वाले यूएवी को जब्त करने या नष्ट करने का अधिकार रखती है। इन दिशानिर्देशों का उल्लंघन करने वाले संचालकों पर कानून के संबद्ध प्रावधानों के तहत मुकदमा किया जाएगा। नौसेना ने कहा, सभी लोगों या असैन्य एजेंसियों को किसी भी कारण से क्षेत्र के अंदर ड्रोन उड़ाने से निषिद्ध किया जाता है। बयान में कहा गया है, इनमें से ज्यादातर पाबंदियां पहले से लागू हैं लेकिन 27 जून को जम्मू में वायुसेना के एक तकनीकी हवाईअड्डे पर हुए ड्रोन हमले के बाद इन सख्त नियमों को दोहराया जा रहा है।

fresh &easy
GENERAL STORE

ALL TYPES OF SAUDI DATES AVAILABLE
SPECIALIST IN:
DRY FRUITS
& MANY MORE ITEMS AVAILABLE HERE
Fast & Free DELIVERY
ADDRESS + 91 8652068644 / + 91 7900061017
Shop No. 18, Parabha Apartment, Sejal Park, Beside Oshiwara
Bus Depot, Link Road, Goregaon (W), Mumbai-400104

बुलढाणा हलचल

कांग्रेस की दो गुटबाजी के कारण कांग्रेस नगरसेवक आकाश दळवी शिवसेना में शामिल

नगर पालिका की चुनावी सरगर्मियां तेज

मुकुल वासनिक आकाश दळवी

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलडाणा। विगत 19 जुलाई को दै. मुंबई हलचल ने एक न्यूज प्रकाशित की थी जिसमें बुलढाणा जिला में कांग्रेस में दो गुट बाजी की वजह से सामान्य कार्यकर्ता वरिष्ठ और युवक कांग्रेस कार्यकर्ता तंग आ गए है। कांग्रेस के सामान्य कार्यकर्ता भी कंफ्यूज थे है कि वह दो गुट बाजी के कौन से ग्रुप में जाएं या नहीं जाए। इस को लेकर कार्यकर्ताओं में नाराजगी थी। इससे यह पहलू सामने आया है। जो आज कांग्रेस गटनेता आकाश दळवी शिवसेना में शामिल हो गए हैं। बता दें कि 1 वर्ष पहले जिले में कांग्रेस की गुटबाजी को खत्म करने और सभी कार्यकर्ताओं को एक प्लेटफॉर्म पर लाने के लिए सर्वे सर्वा मुकुल वासनिक को जानकारी दी गई थी। कांग्रेस इस समस्या पर ध्यान ना देते हुए कांग्रेस पार्टी का कोई भी आलाकमान या जेष्ठ नेता बुलढाणा जिला के दौरे पर आकर इस समस्या का हल नहीं किया। जिससे नाराज होकर कांग्रेस का नगरसेवक शिवसेना में प्रवेश लिया है। बुलढाणा जिला में कांग्रेस की पहचान मुकुल वासनिक है और जिले में कांग्रेस कार्यकर्ता आला कमान समझने वाले मुकुल वासनिक को मानते मुकुल वासनिक इनकी नेतृत्व है। लेकिन मुकुल वासनिक बुलढाणा जिले के दौरे पर ना आने से भी कांग्रेस कार्यकर्ताओं में नाराजगी है। कांग्रेस के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं का कहना है कि कांग्रेस के हाईकमान जिले में आकर दो गुट बाजी की नाराजगी खत्म करके उन्हें एक प्लेटफॉर्म पर लाने की जरूरत है। अगर कांग्रेस ने इस पर ध्यान नहीं दिया तो कांग्रेस के बड़े नेता भी पार्टी को छोड़कर चले जाएंगे। जिससे आगामी चुनाव में भी जिले में कांग्रेस पार्टी को बड़ा खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। इस दो गुटबाजी की वजह से आज कांग्रेस को छोड़कर नगरसेवक आकाश दळवी शिवसेना में शामिल हो गए हैं।

राजस्थान हलचल

राज्य सरकार ने मानी पूनम अंकुर छाबड़ा की मांगे

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

जयपुर। राजस्थान आबकारी विभाग ने अपनी मीटिंग में श्रीमती पूनम अंकुर छाबड़ा जस्टिस फॉर छाबड़ा की राष्ट्रीय अध्यक्षा के दिये पत्र को प्रकिया में लाया है उनके द्वारा दिये गए 11 बिन्दुओ पर आबकारी विभाग ने कदम उठाए है जिसमें राज्य सरकार द्वारा शराब की दुकानों का समय अब आबकारी नीति के अनुसार सुबह 10 बजे से रात 8 बजे कर दिया है जो पहले सुबह 6 बजे से रात 8 बजे तक खुली थीं। नियत समय के बाद खुल रही दुकानों पर कार्रवाई, स्कूल और मन्दिर के पास की दुकानों के खिलाफ शिकायतों का जल्द निस्तारण, विश्व प्रसिद्ध ऐतिहासिक चरित्रों के नाम से बिकने वाली शराब के नाम वापस लेना

आदि प्रकियाधीन है। शराब बंदी आंदोलन की राष्ट्रीय अध्यक्षा पूनम अंकुर छाबड़ा ने गत दिनों मुख्य सचिव साहब श्री निरंजन जी आर्य, वित्त सचिव श्री टी. रविकांत जी व आबकारी आयुक्त डॉ जोगाराम जी को आबकारी समस्या से अवगत करवाया था, जिनका सकारात्मक तरीके से सहयोग कर समस्याओं का निवारण किया जा रहा है जिसके चलते पूनम अंकुर छाबड़ा ने सभी का धन्यवाद अर्पित किया है।

बैंकर्स समिति के सदस्यों ने नाबार्ड द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त स्वयं सहायता समूह के सदस्यों के साथ परिचर्चा कार्यक्रम आयोजित किया

समस्तीपुर। समस्तीपुर जिले के बिभूतिपुर थाना क्षेत्र के सिंघिया घाट में प्रखंड स्तरीय बैंकर्स समिति के सदस्यों ने नाबार्ड द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त स्वयं सहायता समूह के सदस्यों के साथ परिचर्चा कार्यक्रम किया। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए एलडीएम पी.के. सिंह ने बैंक कर्मियों को बताया कि समूह के माध्यम से ऋण देना बैंकों के लिए सबसे सुरक्षित व्यवसाय है। उन्होंने कहा कि नाबार्ड द्वारा प्रशिक्षण दिए गए समूह के सदस्यों को ऋण मुहैया कराए, जिससे वे अपनी आजीविका का साधन ढूंढ सके। डीडीएम नाबार्ड जयंत विष्णु ने बताया कि 20 परिपक्व स्वयं सहायता समूह के सदस्यों को नाबार्ड के माध्यम से बड़ी, सतू एवं अचार बनाने, पैकेजिंग तथा मार्केटिंग का प्रशिक्षण दिया गया था। यह प्रशिक्षण पूसा केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय विज्ञान विभाग के प्रोफेसर द्वारा दिया गया था।

सम्भल हलचल

भाईचारे के साथ मनायें ईद उल अजहा का त्यौहारः अरमान उलहक

सम्भल। बुधवार इक्कीस जुलाई को मजहब-ए-इस्लाम का सर्वोच्च त्यौहार ईद उल अजहा का पर्व भारत सहित दुनिया के सभी मुल्कों में हर्षोल्लाष के साथ मनाया जायेगा मजहब ए इस्लाम में ईद उल अजहा पर पेश की जाने वाली कुर्बानी का बहुत बड़ा महत्व है। जनपद सम्भल के नगर पँचायत नरौली निवासी मुस्लिम पत्रकार मौहम्मद अरमान उल हक ने बताया कुर्बानी अल्लाह के लिए अपना सब कुछ कुर्बान करने के जज्बे को पेश करती है मुस्लिम समुदाय के लोगों को एक दूसरे के लिए भी माल दौलत का बलिदान करना सिखाती है ईद उल अजहा का पर्व आर्थिक रूप से मजबूत लोगों के लिए गरीब कमजोर असहाय लोगों की मदद करने का पैगाम देती है शरीयत में कुर्बानी के गोश्त के तीन हिस्से किये जाते हैं पहला हिस्सा गरीबों असहाय लोगों का दूसरा हिस्सा रिश्तेदारों का है तीसरा हिस्सा कुर्बानी करने वाले का होता है इस्लाम धर्म के अनुसार ईद उल अजहा का पर्व जिलहिज्जा की दस तारीख को मनाया जाता है कुर्बानी का मकसद मुस्लिम समुदाय के लोगों को अल्लाह की राह में अपनी जान माल कुर्बान करने की शिक्षा देता है मौहम्मद अरमान उलहक ने कहा प्रेम भाईचारे के साथ ईद उल अजहा का पर्व मनायें बिरादराने वतन के जज्बात का ख्याल रखें।

मधुबनी हलचल

मॉबलिंचिंग के खिलाफ इंसाफ की आवाज बुलंद करें: मशकूर अहमद

मधुबनी। दिन के उजाले में पुलिस की मौजूदगी में एक महिला शिक्षिका सनोबर खातून को नंगा करके पीटते पीटते मार दिया जाता है। एक और नौजवान भीड़ हिंसा का शिकार होता है। शिक्षिका की बेटियों के साथ उन्मादी भीड़ बदतमीजी करता है। पुलिस के पैर पर लड़कियां गिर जाती है और अपनी मां और अपनी जान बचाने की गुहार करती है। लेकिन पुलिस तमाशबीन बनी रहती है। समाजसेवी मशकूर अहमद ने कहा कि ताज्जुब की बात है कि नीतीश सरकार के आला अधिकारियों ने इतनी बड़ी घटना के बाद भी कहीं कोई एक्शन लेती नजर नहीं आई। दंगाई के सामने पुलिस नतमस्तक बनी रही। आईजी से लेकर डीजीपी तक बोलते हैं कि यह एक्शन के खिलाफ रिएक्शन की घटना है, इसे मॉबलिंचिंग का नाम मत दीजिये। गुजरात के तर्क को बिहार में दुहराया जा रहा है। किसी हत्या का बदला क्या अब उन्मादी भीड़ ही लेगी? क्या साम्प्रदायिक उन्मादी संगठनों को इसकी छूट नीतीश सरकार ने दे दी है? ये बड़े सवाल हैं जिसपर सभ्य नागरिक समाज को जरूर ही गौर करना चाहिए। श्रवण यादव की हत्या जघन्य थी और इसकी चौतरफा निंदा होनी चाहिये। इसकी समग्र जांच कर हत्यारे को गिरफ्तार किया जाना चाहिए लेकिन इसकी आड़ में जिन बाहरी लोगों ने ऐसे जघन्य कांड को अंजाम दिया है, उसे हरगिज नही बख्शा जाना चाहिए। दोनों पक्ष के पीड़ितों को मुआबजा मिले लेकिन इस खतरनाक प्रवृति को सख्ती से रोका जाना चाहिए।

समस्तीपुर हलचल

समस्तीपुर के सपहा चौर में एक व्यक्ति की लाश मिलने से दहशत, लोगों ने जताया हत्या की आशंका

संवाददाता/जकी अहमद

समस्तीपुर। समस्तीपुर जिले के उजियारपुर में एक व्यक्ति की लाश मिलने से सनसनी। मृतक की पहचान रामचंद्रपुर अंधैल पंचायत के ननपत दास के रूप में हुई। रामचन्द्रपुर अंधैल पंचायत के चकसिराय के एक युवक की संदिग्ध हालत में मौत चौर के पानी भरा एक गड्ढा से बरामद हुई। मृतक की पहचान ननपत दास पिता ठिठर दास के रूप में की गई। सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंच कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मिली जानकारी के अनुसार मृतक सोमवार की संध्या से ही गायब था। घर नही लौटने पर परिजनो के द्वारा काफी खोजबीन के बावजूद नहीं मिला। अगले दिन मंगलवार को गांव के चौर में ही एक पानी भरा गड्ढा में उसका शव को लोगों ने देखा, वहीं घटना को लेकर गांव में तरह तरह की चर्चा हो रही है। थानाध्यक्ष विश्वजीत कुमार ने बताया कि घटना स्थल पर पुलिस पदाधिकारी हर बिंदु को ध्यान में रखकर जांच कर रहें हैं, शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है,रिपोर्ट आने के बाद त्वरित करवाई की जाएगी।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

ब्यूटी की परेशानियां एल्युमिनियम फॉयल से होंगी दूर

एल्युमिनियम फॉयल का उपयोग हर घर में किया जाता है। इसका इस्तेमाल ज्यादातर रोटी और पराठों को गर्म करने के लिए किया जाता है, पर क्या आप जानते हैं कि इसकी सहायता से स्किन, ब्यूटी और बालों से संबंधित परेशानियों को आसानी से दूर किया जा सकता है। आज हम आपको ब्यूटी को बढ़ाने के लिए किस तरह एल्युमिनियम फॉयल का इस्तेमाल कर सकते हैं। तो आइए जानते हैं उन तरीकों के बारे में।

1. नेल पेंट उतारने में सहायक

कई बार नेल पेंट रिमूवर का इस्तेमाल करने पर भी नाखूनों पर लगा नेल पॉलिश उतरने का नाम ही नहीं लेता। ऐसे में आप घर में पड़े एल्युमिनियम फॉयल की सहायता से जिद्दी नेल पॉलिश को बहुत आसानी से निकाल सकते हैं। नेल पेंट हाटने के लिए सबसे पहले कॉटन में नेल पेंट रिमूवर लागाएं। अब इसको नाखूनों पर अच्छे से लगाएं। इसके बाद फॉयल से कॉटन को पूरी तरह ढक कर थोड़ा दबाएं। कुछ मिनटों के लिए ऐसा ही करें और फिर हटा लें। इस तरह करने से कुछ ही समय में ग्लिटर नेल पेंट आसानी से नाखूनों से निकल जाएगा।

2. पफी आईज

पफी आईज से छुटकारा पाने के लिए अपने चेहरे के आकार का एल्युमिनियम फॉयल लें। अब इसको आंख, नाक और मुंह के पास से ठोड़ा सा काट लें। फॉयल को काटने के बाद इसको ठंडा होने के लिए फ्रिज में रखें। अब इसको 10- 15 मिनट के लिए चेहरे पर लगाएं। ऐसा करने से पफी आईज की परेशानी खत्म हो जाएगी।

3. कर्ली हेयर

एल्युमिनियम फॉयल की सहायता से आसानी से बालों को कर्ली किया जा सकता है। इनमें कुंडल डालने के लिए फॉयल को पतले- पतले लेयर्स में काट लें। अब इनको छोटे-छोटे सेक्शन में ट्विस्ट करें और फॉयल को इसे उनमें रैप करें। रात भर ऐसा ही रहने दें। सुबह उठकर इसको निकाल दें।

4. हेयर मास्क

हेयर मास्क लगाने के बाद सिर को एल्युमिनियम फॉयल से पूरी तरह के ढक लें। ऐसा करने से मास्क पूरी तरह स्कैल्प में समा जाएगा। इससे बालों को हेयर मास्क का फायदा मिलेगा।

5. बालों को हाईलाइट करना

बालों को हाईलाइट करने के लिए अब पार्लर जाकर पैसे खर्च करने की आवश्यकता नहीं है। आप घर बैठे ही आसानी से एल्युमिनियम फॉयल की सहायता से बालों को हाईलाइट कर सकते हैं। बालों के जिस हिस्से को हाईलाइट करना है। उन बालों के नीचे में फॉयल को रखें। अब बालों पर ब्रश की मदद से हेयर प्रोडक्ट अप्लाई करें। इसके बाद एल्युमिनियम फॉयल उस पर लपेट दें। आधे घंटे बाद इसे हटाकर बालों को धो लें। बिना पैसे के घर पर बैठे ही आसानी से बाल हाईलाइट हो जाएंगे।

अपेंडिक्स के लक्षणों को पहचान कर ऐसे करें घरेलू उपचार

अपेंडिक्स की समस्या 10 से 30 साल तक के लोगों को ज्यादा होती है। इसका कारण गलत खान-पान और लाइफ स्टाइल है। अपेंडिक्स हमारी आंत का एक छोटा-सा हिस्सा होता है, जिसके दो सिरे होते होते हैं। एक सिरा बंद और एक खुला। अगर कभी खुले सिरे से खाना अंदर चला जाए तो बंद सिरे से बाहर नहीं आ पाता। इससे अपेंडिक्स में इंफैक्शन होने लगता है, जिससे धीरे- धीरे पेट के दाईं ओर सूजन और दर्द होने लगती है। इस दर्द से बचने के लिए लोग ऑपरेशन का सहारा लेते हैं। इसको करवाते समय बहुत पीड़ा सहन करनी पड़ती है। ऐसे में आप घरेलू तरीकों का इस्तेमाल करके भी अपेंडिक्स के दर्द से छुटकारा पा सकते हैं। आज हम आपको अपेंडिक्स के लक्षण और इसके घरेलू इलाज के बारे में बताएंगे।

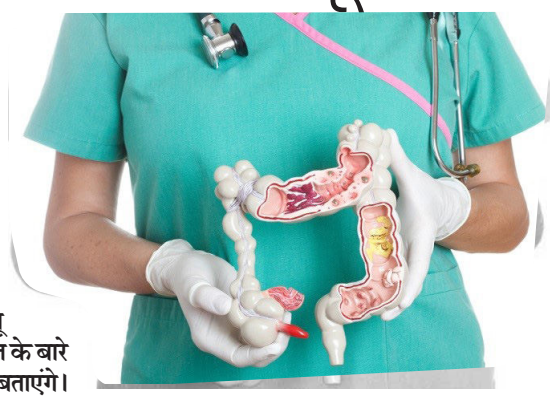

अपेंडिक्स के प्रकार

1. एक्यूट अपेंडिक्स

यह अपने नाम की तरह ही बहुत जल्दी बढ़ती जाती है। कई बार तो एक्यूटट अपेंडिक्स 2-3 घंटों या कुछ ही दिनों में भी पैदा हो जाती है। जिस समय यह शरीर में विकसित होती है तो उस समय कब्ज, उल्टी जैसे कई कारण दिखाई देने लगते हैं। इन शुरूआती लक्षणों को पहचान कर इसका इलाज शुरू करवा सकते हैं।

2. क्रोनिक अपेंडिक्स

इस तरह की अपेंडिक्स ज्यादा नहीं होती। इसके लक्षण दिखाई ही देते हैं। यह कुछ समय के बाद खुद ही समाप्त भी हो सकती है।

अपेंडिक्स के लक्षण

पीठ में दर्द
भूख में कमी
चक्कर और उल्टी आना
दस्त या कब्ज
पेशाब करते समय दर्द
मलाशय, पीठ या पेट में दर्द
ठंडा लगना और शरीर का कांपना
गैस नहीं निकाल पाना

अपेंडिक्स के घरेलू इलाज

1. अदरक

अपेंडिक्स के दर्द और सूजन को समाप्त करने के लिए अदरक रामबाण है। रोजाना 2 बार अदरक की चाय पीने से कुछ ही दिनों में फर्क दिखाई देने लगेगा।

2. पालक

अपेंडिक्स आंत के बीच में होता है। इससे बचने के लिए रोजाना पालक का सूप या इसकी सब्जी बना कर खाएं। पालक शरीर को स्वस्थ रखने का काम करता है।

3. सेंधा नमक

इस समस्या से पीड़ित व्यक्तियों को अपने खान-पान का खास ध्यान देना चाहिए। खाना खाने से पहले 1 टमाटर काटकर उसमें सेंधा नमक डाल कर खाएं। इससे कुछ ही समय के बाद पेट की दर्द और सूजन कम होने लगेगी।

4. तुलसी

तुलसी पेट के लिए लाभकारी होती है। रोजाना तुलसी वाली चाय पीने से पेट संबंधित समस्या नहीं होती। आप चाहें तो सुबह खाली पेट तुलसी को चबा- चबा कर भी खा सकते हैं। ऐसा करने से भी अपेंडिक्स में राहत मिलती है।

5. छाछ

अगर आप घरेलू तरीके से इस समस्या से राहत पाना चाहते हैं। तो रोजाना छाछ का सेवन करना शुरू करें। अपेंडिक्स के दर्द से छुटकारा पाने के लिए छाछ में काला नमक डालकर पीना लाभकारी है। इससे शरीर में जमा गंदगी बाहर निकल जाती है।

मशरूम खाने से सेहत की ये 8 परेशानियां होती हैं दूर

मशरूम खाने में स्वादिष्ट होने के साथ-साथ सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है। वैसे तो मशरूम की सब्जी हर कोई खाना पसंद करता है लेकिन शायद ही कोई इसके फायदे जानता हो। एंटी-ऑक्सीडेंट्स, प्रोटीन, विटामिन डी, सेलेनियम और जिंक से भरपूर मशरूम का इस्तेमाल कई दवाइयां बनाने के लिए किया जाता है। इसमें मौजूद पौषक तत्व आपके शरीर को कई खतरनाक बीमारियों से बचा कर रखते है। इसके अलावा इसका सेवन इम्यून सिस्टम को भी मजबूत करता है। आइए जानते है कई गुणों से भरपूर मशरूम का सेवन करने से आप किन बीमारियों से बच सकते है।

1. कैंसर का खतरा

इसमें बीटा ग्लाइसीन और लिनॉलिक एसिड होता है, जो आपको प्रोस्टेट और ब्रेस्ट कैंसर के खतरे को कम करता है।

2. वजन कम करना

मशरूम का सेवन करने से वजन जल्द से जल्द कम करने में मदद मिलती है। आप इसे उबाल कर ब्रेकफास्ट में शामिल कर सकते है।

3. शुगर लेवल

मशरूम में काबोर्हाइड्रेट्स की मात्रा कम होने के कारण यह ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने में मददगार होते है। डायबिटीज मरीजों के लिए यह सबसे अच्छा फूड है।

4. इम्युनिटी पावर

सेलिनियम से भकपूर मशरूम इम्यून पॉवर को बढ़ाने के साथ-साथ सर्दी-खांसी और जुकाम जैसी समस्याओं को शरीर से दूर रखते है।

5. दिल के रोग

इसमें पाएं जाने वाले न्यूट्रिएंट्स और एंजाइम दिल के रोगों का खतरा कम करते है। इसलिए हफ्ते में कम से कम 3 बार इसका सेवन जरूर करें।

6. पेट की समस्याएं

काबोर्हाइड्रेट्स की मात्रा से भरपूर मशरूम का सेवन अपच, पेच दर्द, कब्ज, गैस और एसिडिटी की समस्या को भी दूर करता है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

प्रियंका को पति निक से मिला खास तोहफा

बॉलीवुड की देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा ने 18 जुलाई को अपना 39वां बर्थडे सेलीब्रेट किया। इस मौके पर प्रियंका चोपड़ा को सोशल मीडिया पर तमाम फैंस और सेलेब्स से ढ़ेरो बधाई संदेश मिले। निक जोनस ने भी प्रियंका को रोमांटिक अंदाज में बर्थडे विश किया। निक जोनस ने अपनी पत्नी प्रियंका चोपड़ा को बर्थडे पर एक खास गिफ्ट भी दिया। निक ने रेड वाइन की बोतल प्रियंका को गिफ्ट दी। प्रियंका ने अपने इंस्टाग्राम के स्टोरी सेक्शन में इस स्पेशल रेड वाइन की तस्वीर शेयर की है। तस्वीर में पार्टी टेबल पर एक वाइन बोटल और रेड वाइन से भरा गिलास नजर आ रहा है। प्रियंका ने हार्ट इमोजी के साथ निक जोनस को भी टैग किया है। शराब की ये बोतल एक चेटो माउटन रोथ्सचाइल्ड 1982 है। इस वाइन की कीमत हैरान करने वाली है। खबरों के अनुसार इस वाइन बोतल की कीमत लगभग 131,375 रुपए है। खास बात यह है कि यह वाइन आमतौर पर नीलामी में मिलती है। वही प्रियंका को बर्थडे विश करते हुए निक जोनस ने एक्ट्रेस की खास तस्वीर शेयर की थी। उन्होंने प्रियंका के बचपन की तस्वीर शेयर की थी। इस तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा, जन्मदिन मुबारक हो माई लव। आप दुनिया की सारी खुशियां डिजर्व करती हो। आज और हर दिन। आई लव यू।

एक्स बॉयफ्रेंड सलमान खान को लेकर सोमी अली बोलीं- उनके टच में न रहना सेहत के लिए अच्छा

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान ने भले ही अब तक शादी नहीं की हो, लेकिन कई हसीनाओं के साथ वह रिलेशनशिप में रह चुके हैं। पाकिस्तानी मूल की एक्ट्रेस सोमी अली को भी सलमान खान ने करीब 8 साल डेट किया था। सोमी अली 16 साल कि कम उम्र में बॉलीवुड में अपना करियर बनाने और साथ ही अपने क्रश सलमान खान से शादी करने कि ख्वाहिश लेकर मुंबई आई थीं। सलमान खान बॉयफ्रेंड के रूप में सोमी अली को मिले भी, लेकिन साल 1999 में उन दोनों का रिश्ता खत्म हो गया। सोमी कई इंटरव्यू में सलमान खान को लेकर बात कर चुकी हैं। अब एक बार सोमी अली ने सलमान संग अपने रिश्ते को लेकर बात की है। सोमी ने कहा, मैं पिछले पांच साल से सलमान के साथ संपर्क में नहीं हूं। मेरा ऐसा मानना है कि अपनी जिंदगी में आगे बढ़ना अच्छा होता है। मैं अपनी जिंदगी में आगे बढ़ चुकी हूं और मुझे लगता है कि सलमान भी अपनी जिंदगी में आगे बढ़ गए हैं। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता 1999 में मेरे जाने के बाद उनकी जिंदगी में कितनी गर्लफ्रेंड बनी बस मैं उन्हें शुभकामनाएं देती हूं। मुझे पता है कि उनका एनजीओ बीइंग ह्यूमन काफी अच्छा काम कर रहा है। मानसिक तौर पर भी सलमान से संपर्क नहीं रखना मेरे लिए अच्छा है। इससे पहले सोमी अली ने बताया था कि सलमान उनके साथ ईमानदार नहीं थे। उन्होंने कहा, हम आगे बढ़ गए हैं। मुझे उससे अलग हुए 20 साल हो गए हैं। उन्होंने मुझे धोखा दिया और मेरा दिल टूट गया। ये काफी सिंपल है।

विद्युत जामवाल ने अपने प्रोडक्शन हाउस की पहली फिल्म का किया ऐलान

बॉलीवुड के कई सितारें अब प्रोडक्शन की दुनिया में भी कदम रख रहे हैं। बीते दिनों बॉलीवुड एक्टर विद्युत जामवाल ने भी अपने प्रोडक्शन हाउस की घोषणा की थी। उन्होंने अब्बास सैयद के साथ मिलकर अपना प्रोडक्शन हाउस लॉन्च किया है, जिसका नाम 'एक्शन हीरो फिल्म्स' रखा गया है। अब विद्युत जामवाल ने अपने प्रोडक्शन हाउस की पहली फिल्म का ऐलान कर दिया है। इस फिल्म का नाम होगा 'आईबी 71'। विद्युत इस फिल्म के प्रोड्यूसर भी होगें। फिल्म को संकल्प रेड्डी निर्देशित करेंगे। विद्युत जामवाल ने सोशल मीडिया पर संकल्प रेड्डी संग एक तस्वीर शेयर कर इस बात की जानकारी दी है। उन्होंने तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, नई शुरूआत, मुझे ऐलान करते हुए खुशी हो रही है कि एक्टर हीरो फिल्म में बतौर प्रोड्यूसर मेरी पहली फीचर फिल्म का टाइटल 'आईबी 71' बनने जा रही है। अपकमिंग फिल्म का पहला कोलाबोरेशन रिलायंस एंटरटेनमेंट के साथ हुआ है। फिल्म को संकल्प रेड्डी निर्देशित करेंगे। उन्होंने लिखा, मैं बहुत ही कृतज्ञता और सम्मान के साथ इस आशीर्वाद और सपोर्ट के लिए आपको प्यार दे रहा हूं। 'आईबी 71' एक अच्छी फिल्म बनाने की ओर एक कदम है। ये प्रोजेक्ट एक टीम वर्क और विश्वास का परिणाम है। मुझे इसके लिए आपका हमेशा सहयोग चाहिए।

A.B.V.M. AGRAWAL JATIYA KOSH'S
G.D. JALAN COLLEGE OF SCIENCE & COMMERCE
A sister concern of S. J. PODDAR ACADEMY (ICSE)
Estd. : 2011
Admissions Open for Academic Year 2021-2022
F.Y.J.C. / S.Y.J.C. (Science & Commerce)
B.M.S. / B.A.F. / B.Sc. (I.T.)
B.Com. / B.Sc. (CBZ)
COLLEGE CODE : 527
Upper Govind Nagar, Malad (East), Mumbai – 400097.
Phone No.: 022- 40476030
www.gdjalan.edu.in